मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BHDC-132

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी.एच.डी.सी.-132 : मध्यकालीन हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 20

(क) सुभर समुद अस नैन दुई, मानिक भरे तरंग।

आवत तीर जाहिं फिरि, काल भँवर तेन्ह संग॥

(ख) बूझत स्याम कौन तू गोरी।

कहाँ रहति काकी है बेटी, देखी नहीं कहूँ ब्रज-खोरी।

काहै को हम ब्रज-तन आवतिं, खेलति रहहिं आपनी पौरी।

सुनत रहतिं स्रवननि नंद ढोटा, करत फिरत माखन दधि चोरी।

तुम्हरौ कहा चोरि हम लैहें, खेलन चलौं संग मिलि जोरी।

(ग) रहिमन निज सम्पत्ति बिना, कोउ न बिपति सहाय।

बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सकै बचाय॥

2. भक्तिकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 20

3. रीतिकाव्य का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए रीतिकाव्य के प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। 20

4. जायसी के जीवन और रचना-संसार का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 20

5. मीराबाई की कविता के अभिव्यंजना-शिल्प पर प्रकाश डालिए। 20

6. रहीम की काव्यभाषा तथा शैली की विशेषताएँ बताइए।

20

7. सूरदास के काव्य के वात्सल्य पक्ष का विवेचन कीजिए।

20

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×10=20

(क) रामभक्ति शाखा

(ख) कबीर की रचनाएँ

(ग) सूफी मत का दार्शनिक पक्ष

(घ) बिहारी सतसई